निदेशक सैक द्वारा प्रो. पी.डी. भावसार के 97वें जन्मदिन पर सम्मान

17 अगस्त, 1926 को जन्मे प्रो. पी.डी. भावसार ने **1985-86 के दौरान अंतरिक्ष उपयोग केंद्र, इसरो के तीसरे निदेशक के रूप में** कार्य किया। उन्होंने भारतीय सुदूर संवेदन उपयोगिता कार्यक्रम के निदेशक के रूप में भी अपनी सेवाएं प्रदान कीं।

प्रो. भावसार को 1958 में गुजरात विश्वविद्यालय द्वारा डॉक्टरेट की उपाधि प्रदान की गई, उन्होंने अपना अनुसंधान कार्य डॉ. विक्रम साराभाई के मार्गनिर्देशन में भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला से कॉस्मिक किरण पर किया। उन्होंने अपने अनुसंधान से कॉस्मिक किरणों, सौर प्रोटॉनों, औरोरा और ऑरोरल एक्स-रे, एक्स-रे खगोलिकी और ऊपरी वायुमंडल के गतिकी अध्ययन में योगदान किया। वे उच्च तुंगता वाले बैलून प्रयोग से जुड़े थे जिसने पहली बार सीधे सोलर प्रोटोन का पता लगाया।

उन्होंने उस टीम का नेतृत्व किया, जिसने भारत में प्रथम रॉकेट प्रयोग और भूमध्यरेखीय क्षेत्र में तटस्थ वायुमंडीय हवा का मापन किया। उन्होंने 1962 से भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला में संकाय सदस्य के रूप में कार्य किया। इसके पहले 1958 से 1962 तक वे कॉस्मिक रे ग्रुप के सदस्य और मिनेसोटा यूनिवर्सिटी, मिनेपोलिस, यूएसए में संकाय सदस्य रहे।

वे वैज्ञानिक समन्वयक, भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (1967-1975): प्रधान, अंतरिक्ष भौतिकी प्रभाग, अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी केंद्र, इसरो, त्रिवेंद्रम (1968-1974); वैज्ञानिक सचिव, इसरो (1973-75) और सदस्य इसरो परिषद (1973-75) रहे। सदस्य-अखिल भारतीय रेडियो कार्यक्रम सलाहकार समिति, अहमदाबाद (1966-1970), सदस्य-वायुमंडलीय विज्ञान और वैज्ञानिक जल विज्ञान पर अनुसंधान समिति, सीएसआईआर (1968-1975) ; सदस्य-समय और आवृत्ति परियोजना, रेडियो तथा दूरसंचार अनुसंधान समिति, राष्ट्रीय भौतिक प्रयोगशाला, नई दिल्ली (1970-1972) ; रेडियो भौतिकी और इलेक्ट्रॉनिक्स, कलकत्ता यूनिवर्सिटी के उन्नत अध्ययन केंद्र में सलाहकार समिति के विशेषज्ञ सदस्य (1969-1976) ; सदस्य-भारतीय भौतिक संघ; सदस्य-भारतीय खोगोलिकीय सोसायटी, सदस्य-भारतीय विज्ञान कांग्रेस संघ और गुजरात यूनिवर्सिटी और केरल यूनिवर्सिटी में स्नातकोत्तर अध्ययन हेतु शिक्षा कार्य से संलग्न रहे। वे अंतरिक्ष अनुसंधान हेतु भारतीय राष्ट्रीय समिति के सदस्य-सचिव (1971-1981) और इंडियन सोसाइटी ऑफ फोटो इंटरप्रिटेशन एंड रिमोट सेंसिंग के अध्यक्ष (1981-1983) रहे।

वैज्ञानिक सचिव, इसरो के रूप में वे इसरो वैज्ञानिक और तकनीकी कार्यों, योजना, प्रोग्रामिंग, समन्वयन, समीक्षा और इसरो के वैज्ञानिक और तकनीकी कार्यक्रमों के मानीटरन, विदेशी सहयोग इत्यादि के प्रभारी रहे। वे 1979-1980 के दौरान मॉनेक्स परियोजना के इसरो घटक के परियोजना निदेशक भी रहे।
उन्होंने सुदूर संवेदन, उपग्रह भूगणित और अंतरिक्ष मौसमविज्ञान के क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

झलकियां

97 वें जन्मदिवस पर प्रो. पी. डी भावसार का सम्मान

17 अगस्त, 2022

Shri Nilesh M Desai, Director, SAC handing
over Birthday Greetings letter from
Dr Kasturirangan to Prof. Bhavsar

रामन अनुसंधान संस्थान
सी. वी. रामन एवेन्यू, सदाशिवनगर, बेंगलूर – 560 080, भारत
RAMAN RESEARCH INSTITUTE
C. V. Raman Avenue, Sadashivanagar, Bangalore - 560 080, India

K.KASTURIRANGAN
Former Chairman, ISRO
Former Chairman, National Education Policy Committee
Chairman, National Steering Committee for National Curriculum Frameworks

August 08, 2022

Prof P D Bhawsar
No. 4 Rohini Society
Bhudarpura
Ambawadi Vistar Post
Ahmedabad 380015

Respected Prof. Bhawsar,

On the eve of your 97th Birthday, I offer my heartfelt pranams with prayers to Almighty to give me the privilege of your blessings and guidance for many years to come. Respected sir, I am what I am today, because of the care and concern that you personally have about me. Further, you extended that very important gesture to a youngster who was your student at that time, in terms of freedom of thinking and action, which in turn created special attributes in my life like original thinking and creative approaches. Also, you gave me lot of freedom which made me bold to act in all subsequent years of my life in different capacities. It is very rare that such an opportunity endowed with magnanimity is available to all youngsters who are being supervised by their seniors. The problems you suggested in Physics and Astrophysics, the experimental techniques that you thought me to master, the freedom and flexibility with which I could interact with many other academics and my contemporaries and above all gave me support and encouragement in times of despondency all of which made me prepare myself for a future which in retrospect today only make me realise how much I owe to you in my life.

Sir, only providence and blessings of the Almighty could've brought me to your attention and made you adopt me as your student. From then onwards, it was a question of things going right by my association with

Phone : Off + 91 80 2361 0122 Fax : 91 80 2361 0492 e-mail : root@rri.res.in

you and Vikram bhai. To me, you two i.e. Vikram bhai and yourself, stand out as unique benefactors in my life, which has brought me to this special level of achievement, whatever it is worth. I owe you everything, I thank you for everything and I am eternally grateful to you for everything. Praying to Almighty for giving you health and long life, so that I can continue to count on you as the pillar of strength as the years roll by.

With my prayers and most respectful regards,

Sincerely yours,

(K. Kasturirangan)

Prof. P. D. Bhavsar
Director, Space Applications Centre (SAC)
(1985 – 1986)
SAC-ISRO

सैक एवं डेकू की टीम प्रो.पी.डी.भावसार

को स्वस्थ एवं दीर्घ आयु हेतु

शुभकामनाएं देती है